भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न सं. †193
सोमवार, 04 दिसम्बर, 2023/13 अग्रहायण, 1945 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

विभिन्न पर्यटक परिपथों को बढ़ावा देना

†193. **श्री जगदम्बिका पाल:**

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) भारत में पर्यटन की वृद्धि और विकास के लिए कार्यनीतियों और नीतियों के विशेष संदर्भ में हुए राज्यों के पर्यटन मंत्रियों के राष्ट्रीय सम्मेलन की मुख्य चर्चाओं का ब्यौरा और परिणाम क्या है;

(ख) नए प्रस्तावित अम्बेडकर परिपथ और हिमालय क्षेत्र परिपथ के संवर्धन सहित विभिन्न पर्यटक परिपथों को बढ़ावा देने के लिए कौन-कौन सी पहलें और योजनाएं शुरू की गई हैं; और

(ग) आगामी राष्ट्रीय पर्यटन नीति की प्रमुख विशेषताएं और उद्देश्य क्या हैं और यह 'विकास भी विरासत भी' के दृष्टिकोण के साथ किस प्रकार मेल खाती है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क): पर्यटन मंत्रालय पर्यटन क्षेत्र के लिए एक विज़न तैयार करने हेतु राज्य सरकारों से चर्चा करने के लिए समय-समय पर राष्ट्रीय राज्य पर्यटन मंत्री सम्मेलनों/बैठकों का आयोजन करता है। 2014-2022 की अवधि के दौरान आयोजित राष्ट्रीय राज्य पर्यटन मंत्री सम्मेलनों/ बैठकों का विवरण इस प्रकार है:-

- 21 अगस्त, 2014 को नई दिल्ली में राज्य पर्यटन मंत्रियों का राष्ट्रीय सम्मेलन।
- 20 अगस्त, 2019 को नई दिल्ली में पर्यटन मंत्रियों का राष्ट्रीय सम्मेलन।
- 15 और 16 अक्टूबर, 2020 को राज्य पर्यटन मंत्रियों की वीडियो कॉन्फ्रेंस बैठक।
- 18 से 20 सितम्बर, 2022 तक धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश में राज्य पर्यटन मंत्रियों का राष्ट्रीय सम्मेलन।
- 21 सितम्बर, 2023 को राज्य पर्यटन मंत्रियों की वीडियो कॉन्फ्रेंस बैठक।

इन सम्मेलनों/बैठकों द्वारा देश में पर्यटन क्षेत्र के विकास और वृद्धि हेतु नीतियों/कार्यक्रमों पर तथा विभिन्न हितधारकों के साथ निकटतम सहयोग स्थापित करने के लिए उच्च स्तरीय चर्चा शुरू की गई।

(ख): पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटन अवसंरचना के विकास के उद्देश्य से अपनी स्वदेश दर्शन 1.0 योजना के तहत 15 थीमों को पर्यटन परिपथों के विकास के लिए चिह्नित किया है जिसमें हिमालयी परिपथ शामिल है। हिमालयी परिपथ की थीम के तहत 587.92 करोड़ रु. की राशि से कुल 7 परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है। इस योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

पर्यटन मंत्रालय की सिफारिश पर आईआरसीटीसी ने भारत गौरव पर्यटन रेल द्वारा बाबा साहेब अम्बेडकर यात्रा की शुरूआत की है। डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर की 132वीं

जयंती के विशेष अवसर पर 7-रात/8-दिन की इस यात्रा को वर्ष 2023 में शुरू किया गया था। पर्यटन मंत्रालय ने इस विशेष पहल को प्रोत्साहित करने और लोकप्रिय बनाने के लिए अम्बेडकर परिपथ पर भारत गौरव पर्यटक रेल यात्रा पर एफएएम ट्रिप आयोजित की। इस एफएएम ट्रिप पर टूर ऑपरेटरों, टूर गाइडों, पत्रकारों, बौद्ध संघों, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय और युवा पर्यटन क्लब के सदस्यों सहित हितधारकों के एक समूह की मेज़बानी की गई।

(ग): पर्यटन मंत्रालय ने संबंधित केन्द्रीय मंत्रालयों, राज्य पर्यटन विभागों और औद्योगिक हितधारकों के साथ परामर्श से राष्ट्रीय पर्यटन नीति 2023 का मसौदा तैयार किया है। राष्ट्रीय पर्यटन नीति 2023 के मसौदे के प्रमुख कार्यनीतिक उद्देश्य निम्नानुसार हैं:-

(i) □□□□□□, □□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□□□ □□□□□□ □□□□□□ □□□□□□□□□□□□ □□□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□□ □□□□□□ □□□□□□

(ii) पर्यटन क्षेत्र में नौकरियों और उद्यमिता के अवसरों का सृजन करना और कुशल श्रमशक्ति की आपूर्ति सुनिश्चित करना।

(iii) पर्यटन क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि करना और निजी क्षेत्र के निवेश को आकर्षित करना।

(iv) देश के सांस्कृतिक और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण और वृद्धि।

(v) देश में पर्यटन के स्थायी, जिम्मेदार और समावेशी विकास को सुनिश्चित करना।

राष्ट्रीय पर्यटन नीति के मसौदे में नवाचार को प्रोत्साहन, नए बाज़ारों की खोज, नए गंतव्यों को खोलने और भारतीय संस्कृति तथा विरासत का लाभ उठाते हुए पर्यटन विकास को स्थायी विकास के लक्ष्यों के अनुरूप बनाने की परिकल्पना की गई है।

****

अनुबंध

श्री जगदम्बिका पाल द्वारा विभिन्न पर्यटक परिपथों को बढ़ावा देना के संबंध में दिनांक 04.12.2023 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न संख्या †193 के भाग (ख) के उत्तर में **विवरण**

हिमालयी परिपथ **(करोड़ रु. में)**

क्र. सं.	**राज्य का नाम**	**वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि**
1.	जम्मू एवं कश्मीर	(2016-17)	पर्यटन अवसंरचना परियोजनाओं का विकास भगवती नगर	77.33
2.	जम्मू एवं कश्मीर	(2016-17)	जम्मू - राजौरी - शोपियां - पुलवामा में पर्यटक सुविधाओं का विकास	81.60
3.	जम्मू एवं कश्मीर	(2016-17)	जम्मू एवं कश्मीर के लिए प्रधानमंत्री विकास पैकेज के तहत 2014 में बाढ़ के	90.43

			कारण नष्ट हो चुकी परिसंपत्तियों के बदले में परिसम्पत्तियों के निर्माण के अंतर्गत पर्यटक सुविधाओं का विकास।	
4.	जम्मू एवं कश्मीर	(2016-17)	मंतलाई एवं सुधमहादेव में पर्यटक सुविधाओं का विकास	91.99
5.	जम्मू एवं कश्मीर	(2016-17)	अनंतनाग- किश्तवार- पहलगाम- - दकसुम - रंजीत सागर बांध में पर्यटक सुविधाओं का विकास	86.39
6.	जम्मू एवं कश्मीर	(2016-17)	गुलमर्ग - बारामुला - कुपवाड़ा -लेह में पर्यटक सुविधाओं का विकास	91.84
7.	हिमाचल प्रदेश	(2016-17)	कियारीघाट, शिमला, हटकोटी, मनाली, कांगड़ा, धर्मशाला, बीर, पालमपुर, चंबा में हिमालयी परिपथ का विकास	68.34
			कुल	**587.92**

****